

२३ श्री नारायणाय नमः ॥ विष्णुं वायिस्व नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥

॥ नमः शिवाय ॥

२४ श्री नारायणाय नमः ॥ विष्णुं वाचिस्व नमः ॥
शुक्तिं मुक्तिं यदा नृकं नमः सति वयः ॥

२५ श्री नारायणाय नमः ॥

लोम	५	गङ्गा	
पुष्प	मणि	पूष	
गङ्गा	उज	सुज	

२३ नारायणाय नमः ॥ अथः श्रीलक्ष्मीवासद
 वक्षुजा ॥ आचमनसूर्यार्चनासः ॥ आसन ॥ ॐ
 गजसनाय ॥ ॐ कूर्म ॥ ॐ पद्म ॥ ॐ नमो गवत
 निमूर्ध्व सर्वहृतात्मन वासुदेवाय सर्वोत्तमयोग
 योगपीठे नमः ॥ ध्यान ॥ आवाहनमयादि ॥
 वन्दनादि ॥ अथ उलि ॥ देवविष्णुवसुभृत्

न्यास

माथनयायता ॥ हृदयादि ॥ कलवादि ॥ दगा
वतान ॥ ~~स~~ सुकयुक्तन ॥ ॐ आदि ॥ ॥ वकारवन्त
जप ॥ ह्रास्व ॥ अक्षरं गयुलम ॥ वकार्यल ॥ द
वात्मागीर्वा ॥ ॥ ॥ नखस्यामृतगिजुम्य ॥
सूर्योर्ध्व ॥ ॥

का ३

ॐ नममिवाय ॥ स्नानादिनिष्कर्मनि
र्वय ॥ ॥ ॐ स्नाने ॐ स्नाने ॐ मयापति
फलमी ॥ ॥ मिहि ॥ मधनरुत्वा ॥ ॥
त्रडाकमातयापतिक्षत्र ॥ ॥ विरति
वीननरुत्वा ॥ पादरुत्वा ॥ पादरुत्वा ॥
त्वा ॥ गदननरुत्वा ॥ गदननरुत्वा ॥ ॥

दनं तत्रं देवपूजाकुम्भा ॥ मध्वसुमहा
देव ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ वायव्य
सूर्य ॥ नैऋत्यगणेश ॥ नैऋत्य
सर्गेश ॥ ॥ धर्मधनवाय ॥ धर्म
समस्तसंसारसंसारकृपमान

धनदेव ॥ ॥ गणेशमध्वगतद्विनि
दत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्त
सूतात्रयीदत्तगणेशगणेशगणेश
पितादत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्त
सर्वदत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्तदत्त

तामिसुखदायकामुतदुखदा॥ ॥ ॥
तत्तावाक्त्राननति नोचमो॥ ॥ ॐ नू
द्यादि॥ यजमानस्य कार्तिकवतमि
वादिषंभयअपूजानिमित्तार्थकतुं
शीसूर्याय नमः॥ नमः॥ ॥

गुननमस्कात्र न्यासादिर्घपाणपूजा॥
नमः पूजा॥ ॥ दवगुडजसनसि
न॥ जीवन्मासंदद्यात्मनू॥ ॐ नमो
कों यैत्रं संवं मं वं सै हं सै हं सै हं
पाथिवलिगस्यो नमः॥ सर्वलुयासि

ॐ हा गत्यसुखं चि न्निष्ठु लु स्वाहा ॥ ॥
दमस्त्यात्र यो ॥ यं श्रु दत्त मकुन ऊषः
॥ गदन ना गाय आदी न्य स्व स कु अणि
वा न ऊष ॥ ॐ नमो र ग वृत्ति वा स द वा
य ॥ ॥ ना गाय अ स्य ॥ क्रो क्रो स ४ स

श्या य नम ॥ ॥ ह्य स ॥ ॐ गं ग अ य त
य नम ४ ॥ ग (ल) ग स्य ॥ ॐ क्रो (ग) ग
नम ४ ॥ ॥ ग ॥ थ न जी व न्या स वि धि ॥
न थ म्ना न य श्रु न सान पु न ज त सान च
न न सि न्द्र न य द्वा य वा त य द्या दि ति ४

सूक्तय ७॥ नृथयुर्वीव न्नासा र्घ्यं वा ७ पूजां
विध्य ॥ न्नासनं निध्य ॥ ॥ ॐ न्नासनं
मक्रय नमः ॥ ॐ नृन न्नासनाय नमः ॥
ॐ स्क्रन्दाय नमः ॥ ॐ नृद्रु लाय नमः ॥
ॐ नीनाय नमः ॥ ॐ यन्नाय नमः ॥ ॐ य
जय नमः ॥ ॐ क म वाय नमः ॥ ॐ क

र्षिकार्ये नमः ॥ ॐ वृथासनाय नमः ॥
ध्यानं ॥ ॥ ॐ ध्यायंति ह्यं मदुभं वज्रत
मिनिनिर्तं चारुचन्द्रावर्गं सैव त्वाकल्या
कलाऊ यन मु मृगवराहीति हस्तैः पु
सुव्रैः यन्नासीनं समन्तात्सुतं समन्त
लेवाद्युक्तिं हि वसाना विध्यंति विध्य

हं श्री गानी ना
 जिं गम ह्वं श्री
 उय हे नव हं
 उय गम न
 हुं गि ॥ उय से
 । ना मा य ऊ या
 न य क न । उ
 रे यार वी य
 ॐ न न न ॥ सु न ॥

उत्थाक क स्वन्वा
यज्यवाले विसंधि
वाज्यस वा हि भ
कोयज्यद जनभा
सुते ॥ उयचनुर्क
येवायाज्य पावक
वक्ष ॥ उयनि कि
नकोमाय ॥ उयाभि
न नभासुते ॥ उय
भभनवासाया ॥ उ
यलेगि वि रगय ।

उयस्त्रागे कं दलाय
उयसर्वनाभासुते ॥
यय विष्वाकिस्त्रि
यः भक्ता ॥ यानि क
गे ॥ सुते ॥ सर्वपाप वि
निभ्र के भिवसा क
सगा ॥ उगि ॥ यायो
कीनां भ्रम ॥ धुस्व
यानि उल नि ॥ कीना
वायार्थ ॥ के ले ॥ भ
सखा ॥ दे ॥ के ने ॥ ४

रुञ्जिमञ्जिकनेष्टे
 वाङ्मणिस्त्रासवार्गेष्टे।
 वृक्षार्ष्टेष्टस्यान्मात्रे
 मन्निजानसकस्तेष्टे
 रथार्ष्टेष्टानामर्केष्टे
 वृष्टेष्टेष्टानाष्टेष्टे
 कस्तिक्कलुषहनेष्टे
 पातुमाङ्गनाष्टेष्टे॥
 उक्तानाम्निष्टेष्टे
 रुक्मिणिवदधर्मेष्टे
 रुक्मिण्यनेष्टेष्टे

पृ ५

कोभार्केनिवाष्टेष्टे
 दद्याद्विनिर्गमीष्टे
 रुष्टेष्टेष्टवष्टेष्टे॥
 आष्टेष्टेष्टल्यकाष्टेष्टे
 मन्त्रवदनेष्टेष्टे
 वाष्टेष्टेष्टेष्टेष्टे
 स्याष्टेष्टेष्टवन्मष्टे
 नवाष्टेष्टनवाष्टेष्टे
 याष्टेष्टेष्टेष्टेष्टे
 पाष्टेष्टेष्टेष्टेष्टे
 विष्टेष्टेष्टेष्टेष्टे

ककुमु भवदत्त
 सकुगे ॥ एधभिक
 गगोमन्त्री सिद्धि
 चागधसविनो ॥ इ
 वदाजवगन्धर्व
 दिगोमदिगोमि
 वो ॥ ॥ सुद्वजोद्वज
 मंगस्थिति ॥ पापा
 द ॥ जपनोभसद ॥
 ॥ यधम्वानि ॥ ॥
 ५५५ ५५५ ५५५

जपे गंभदि ॥ सा
 कु ॥ कु ननभसुखे
 ॥ ५५५५ ५५५५ वागीधदि
 ॥ ५५५५ ५५५५ नमभसु
 वायसु ५५५५ ५५५५ वि
 शु ॥ ५५५५ नमभसु ५५५५
 गधमन्त्री ५५५५ ५५५५
 गधमन्त्री ५५५५ ५५५५
 वागीधदि ५५५५ ५५५५
 ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५

१०० नोपयामिऊ न वाणी, मूकून्द पो
 अवल्लरु, उलभीकूमोतामेष्टो पा
 यानिवमहो न्यायि ॥ उलभीयिय

॥ श्री महादेव या विष्णवे नमः ॥
नामधेयं न विलम्बमादात्मकं मन्दानयथा.

पञ्चसमीकनवीनं त्रयामार्गमाति । नानाश
गमयारुक्निधनवाच्यहिनसदा ॥ सर्वकाम
वसोव्याधिमिवसीकसगच्छति ॥ ॥ ॥

यथा यनया धाय कंधस्तु ॥
महो मध्यमगहननीनहनतदद्याह नो मध्य
लाह्यनागहगानवोहनगलासागामिकाह

विना। दद्यां विष्णु हने क द न न व या त स्वा द न
ज ग्व नं. ना र्या भं क न ता ग या वि ह ख दा द या
ॐ नमः स्व दा ॥ ॥

ASHA ARCHIVES

संस्कृत काव्य

946

ASHA ARCHIVES